Lang. Code : 16

इस पुस्तिका में **16** पृष्ठ हैं ।
This booklet contains **16** pages.

AAT-20-II

प्रश्न-पत्र II / PAPER II
संस्कृत भाषा परिशिष्ट
Sanskrit Language Supplement
भाग IV & V / PART IV & V

परीक्षा पुस्तिका संकेत
Test Booklet Code

M

परीक्षा पुस्तिका संख्या
Test Booklet No.

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए ।
Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.
इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 15 व 16)पर दिए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें ।
Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page 15 & 16) of this Test Booklet.

संस्कृत में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें । / For instructions in Sanskrit see Page 2 of this Booklet.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो **या** तो भाग IV (भाषा I) **या** भाग V (भाषा II) **संस्कृत** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं** ।
2. परीक्षार्थी भाग I एवं भाग II **या** III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से ।
3. अंग्रेज़ी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग IV व भाग V के अन्तर्गत दिए गए हैं । भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं ।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल काले/नीले बॉल पॉइंट पेन** का प्रयोग करें ।
5. इस भाषा पुस्तिका का **संकेत** है **M** । यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का संकेत, उत्तर पत्र के **पृष्ठ**-2 एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है । अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जो प्रत्येक 1 अंक का है :
   भाग-IV : भाषा-I (संस्कृत) (प्र. 91 से प्र. 120)
   भाग-V : भाषा-II (संस्कृत) (प्र. 121 से प्र. 150)
7. भाग-IV में भाषा-I के लिए 30 प्रश्न और भाग-V में भाषा-II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं । इस परीक्षा पुस्तिका में केवल संस्कृत भाषा से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं । **यदि भाषा-I और/या भाषा-II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) संस्कृत के अलावा है तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लीजिए । जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए ।**
8. **परीक्षार्थी भाग-V (भाषा-II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा I (भाग-IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो ।**
9. रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें ।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर पत्र पर ही अंकित करें । अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें । उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part IV (Language I) **OR** Part V (Language II) in **SANSKRIT** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Part I and Part II **or** III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part IV and Part V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Black/Blue Ball Point Pen only** for writing particulars on this page / marking responses in the Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **M**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **two** Parts, IV and V, consisting of **60** Objective Type Questions, each carrying 1 mark :
   Part-IV : Language-I (Sanskrit) (Q. 91 to Q. 120)
   Part-V : Language-II (Sanskrit) (Q. 121 to Q. 150)
7. Part-IV contains 30 questions for Language-I and Part-V contains 30 questions for Language-II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Sanskrit language have been given. **In case the language/s you have opted for as Language-I and/or Language-II is a Language other than Sanskrit, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The language being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part -V (Language-II) in a language other than the one chosen as Language-I (in Part-IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) : ____________________
Name of the Candidate (in Capitals) :
अनुक्रमांक : (अंकों में) ____________________
Roll Number : in figures
: (शब्दों में) ____________________
: in words
परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में) : ____________________
Centre of Examination (in Capitals) :
परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : ____________ निरीक्षक के हस्ताक्षर : ____________
Candidate's Signature : Invigilator's Signature :
Facsimile signature stamp of
Centre Superintendent ____________________

M

Lang. Code : 16

अस्यां पुस्तिकायां 16 पृष्ठानि सन्ति ।

AAT-20-II

प्रश्नपत्रम् II

संस्कृत-भाषा-परिशिष्टम्

भाग: IV च V

परीक्षा-पुस्तिका-संकेतकम्

M

यावन्न कथ्येत तावत् इयं परीक्षा-पुस्तिका न अनावरणीया ।

अस्या: परीक्षा-पुस्तिकाया: पृष्ठावरणयो: (पृष्ठे 15 एवं 16) प्रदत्ता: निर्देशा: ध्यानपूर्वकं पठनीया: ।

परीक्षार्थिभ्यो निर्देशा:

1. इयं पुस्तिका मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकाया: एकं परिशिष्टम् तेभ्य: परीक्षार्थिभ्य: अस्ति ये IV (भाषा I) भागस्य **अथवा** V (भाषा II) भागस्य परीक्षां **संस्कृत** भाषया दातुमिच्छन्ति, **न** तु **द्वयो: भागयो:** ।
2. परीक्षार्थिभि: भाग I एवं भाग II **अथवा** III उत्तराणि मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकात: देयानि अपि च IV तथा V भागानाम् उत्तराणि तै: चिताभि: भाषाभि: ।
3. आंग्लभाषायां हिन्दीभाषायां च प्रश्ना: मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायां IV भागे तथा V भागे च प्रदत्ता: । भाषा-परिशिष्टानि भवद्भि: पृथक्तया याचितुं शक्यन्ते ।
4. अस्मिन्पृष्ठे च विवरणम् अङ्कयितुम् उत्तरपत्रे च चिह्नं अङ्कयितुं **केवलं काले/नील (Black/Blue)-बाल पाइन्ट-लेखन्या:** प्रयोग: अनुमत: ।
5. अस्या: भाषा-पुस्तिकाया: संकेतकं **M** वर्तते । एतच्च निश्चेतव्यं यदस्या: भाषा परिशिष्ट-पुस्तिकाया: संकेतकम् उत्तरपत्रस्य पृष्ठ-**2** उपरि प्रकाशितेन संकेतेन साम्यं भजति । एतदपि निश्चेतव्यं यत् मुख्य:-परीक्षा-पुस्तिकासंख्या उत्तरपत्रसंख्या च परस्परं साम्यं भजेते । यदि चात्र किमपि अन्तरमस्ति तदा छात्रेण निरीक्षकमहाभाग: सम्प्रार्थनीय: यत्स द्वितीयाम् भाषा-परिशिष्ट-परीक्षापुस्तिकाम् ददातु इति ।
6. अस्यां परीक्षापुस्तिकायाम् **द्वौ** भागौ स्त: - IV तथा V, एतेषु **60** वस्तुनिष्ठा: प्रश्ना: सन्ति, प्रत्येकं च एकमङ्कं धारयति :
   भाग: IV : भाषा – I (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 91 त: 120 पर्यन्तम्)*
   भाग: V : भाषा – II (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 121 त: 150 पर्यन्तम्)*
7. IV भाषा I भागे 30 प्रश्ना:, V भाषा II भागे च 30 प्रश्ना: सन्ति । अस्यां च परीक्षापुस्तिकायाम् केवलम् संस्कृत भाषया सम्बद्धा: प्रश्ना: सन्ति । **यदि भाषा I उत वा भाषा II इत्येतयो: भवता संस्कृत-अतिरिक्ते भाषे चिते, तदा तद्भाषासम्बद्धा परीक्षापुस्तिका याचनीया । यस्या: अपि भाषाया: प्रश्नानाम् उत्तराणि भवता प्रदीयन्ते, सा भाषा नूनम् आवेदन पत्रे अभीष्टभाषाभि: सह संवदेत् ।**
8. **परीक्षार्थिभि: भाग: V (भाषा II) कृते, भाषातालिकात: सा भाषा चयनीया या तै: भाषा I (भागे IV) चिताया: अभीष्टभाषात: भिन्ना स्यात् ।**
9. रफ़ कार्यं परीक्षापुस्तिकायाम् एतत्प्रयोजनार्थं निर्धारितस्थाने एव कार्यम् ।
10. सर्वाणि उत्तराणि OMR उत्तरपुस्तिकायामेव अङ्कनीयानि । सावधानमनसा चैतद् अङ्कनीयम् । उत्तरे परिवर्तनार्थं श्वेत-रञ्जकस्य प्रयोगो निषिद्ध: ।

परीक्षार्थिन: नाम : ______________________

अनुक्रमाङ्क: : अङ्केषु : ______________________

: शब्देषु : ______________________

परीक्षाकेन्द्रम् : ______________________

परीक्षार्थिन: हस्ताक्षरम् : ______________ निरीक्षकस्य हस्ताक्षरम् : ______________

Facsimile signature stamp of
Centre Superintendent ______________________

अभ्यर्थिनः **चतुर्थ भागस्य** (Part-IV) प्रश्नानाम् **(प्र.सं**. 91-120) उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा**रूपेण (Language-I) चितम् ।

Candidates should attempt the questions from **Part-IV(Q.No. 91-120)**, if they have opted **Sanskrit** as **Language-I** only.

भाग – IV
भाषा – I
संस्कृत

अभ्यर्थिनः **चतुर्थ भागस्य** (Part-IV) प्रश्नानाम् (**प्र.सं.** 91-120) उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा**रूपेण (Language-I) चितम् ।

अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (91-99) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चिनुत ।

उल्लालराज्यं किञ्चन लघुसंस्थानम् । तत् सम्पद्भरितम् आसीत् । प्रजाः च सन्तोषेण जीवन्ति स्म तत्र । तत्र एलालवङ्गमरीचादीनाम् उत्पत्तिः अधिका । तानि क्रेतुं विदेशीयाः बहवः आयान्ति स्म ।

सम्पत्तिकारणतः तस्य संस्थानस्य राजा विलास-प्रियः जातः । गच्छता कालेन तस्य मद्यपानप्रवृत्तिः अधिका जाता । वाणिज्यार्थम् आगताः पोर्तुगीसाः कदाचित् कांश्चन प्रदेशान् जित्वा भारते स्वशासनम् आरब्धवन्तः । उल्लालसंस्थानस्य राज्ञे अधिकाधिकं मद्यं दत्त्वा ते तस्य गाढां मैत्रीं सम्पादितवन्तः ।

राज्ञः मद्यसेवनप्रवृत्तिः यदा अधिका जाता तदा राज्ञी अभयादेवी तं बहुधा बोधितवती । तथापि राज्ञः व्यवहारे कोऽपि परिष्कारः न जातः । अथ कदाचित् पोर्तुगीसैः प्रेरितः राजा तेषां केन्द्रं गत्वा तत्रैव वासम् आरब्धवान् । मद्यपानाय यत् मद्यं क्रेतव्यं, तन्निमित्तं स्वसंस्थानमेव पोर्तुगीसाधीनं कृतवान् सः ।

राजा यदा पोर्तुगीसकेन्द्रे वासम् आरब्धवान् तदा मन्त्रिभिः बोधिता राज्ञी संस्थानरक्षणाय स्वयं शासनसूत्रं गृहीतवती, राजानं देशद्रोहित्वेन उद्घोषितवती च ।

पोर्तुगीसजनाः राज्ञा दत्तं पत्रं गृहीत्वा उल्लाल-संस्थानम् आगताः । अभयादेवी तैः आनीतं पत्रं दृष्ट्वा क्रुद्धा सती तत् पत्रं विच्छिद्य क्षिप्तवती । "वयं युद्धं सम्मुखीकर्तुं सज्जाः । किन्तु देशम् अन्याधीनं न करिष्यामः एव" इति धैर्येण अवदत् सा ।

एतस्मात् क्रुद्धाः पोर्तुगीसाः ससैन्यं युद्धाय आगताः । अभयादेवी प्रतिवेशिराज्यानां साहाय्यं याचितवती । केचन राजानः साहाय्यार्थम् आगताः । पोर्तुगीसाः उल्लालराजं पुरतः संस्थाप्य युद्धम् अकुर्वन् । एतस्मिन् युद्धे पोर्तुगीसानां पराजयः जातः । ते पलायनम् अकुर्वन् । उल्लालराजः अपि पलायनं कुर्वन् बाणेन आहतः सन् रणरङ्गे अपतत् । पोर्तुगीसाः तं परित्यज्य धावितवन्तः ।

एकाकितया भूमौ पतितं राजानम् अभयादेवी राजभवनम् आनीतवती । वैद्याः तस्य विशेषोपचारं कृतवन्तः । किन्तु ततः प्रयोजनं किमपि न सिद्धम् । स्वदोषार्थं राज्ञीं क्षमां याचन् राजा प्राणवियोगं प्राप्तवान् ।

राज्ञी तस्य अन्त्यसंस्कारं निर्वर्तितवती । ततः तया धर्मेण शासनं कृतम् । स्वदेशस्य रक्षणार्थं धैर्येण युद्धं कृतवत्याः स्वातन्त्र्यप्रियायाः अभयादेव्याः चरितं निश्चयेनास्ति प्रेरणादायकं ननु ?

91. पोर्तुगीसैः सह युद्धं कर्तुम् अभयादेवी केषां साहायं याचितवती ?

(1) उल्लालराजस्य

(2) आङ्गलशासकानाम्

(3) प्रतिविशिराज्यानाम्

(4) वाणिज्यिकानाम्

92. युद्धभूमौ एकाकितया कः पतितः आसीत् ?

(1) पोर्तुगीसराजा

(2) उल्लालराजा

(3) अभयादेवी

(4) विदेशीयाः

93. स्वप्राणवियोगात् पूर्वं राजा किं कृतवान् ?

(1) सुरापानं कृतवान्

(2) राज्यवासिनः सम्बोधितवान्

(3) पोर्तुगीसविरुद्धं युद्धं कृतवान्

(4) राज्ञीम् अभयादेवीं क्षमां याचितवान् ।

94. "वयं युद्धं सम्मुखीकर्तुं सज्जा: । किन्तु देशम् अन्याधीनं न करिष्याम: एव" इत्युक्ति: कस्या: आसीत् ?

(1) मन्त्रिण:
(2) राज्ञ:
(3) राज्ञ्या:
(4) वैदेशिकानाम्

95. जीवन्ति स्म इति पदद्वयस्य मिलित्वा अर्थ: ____

(1) अजीवन्
(2) अजीवम्
(3) अजीवत्
(4) अजीवत

96. संस्थानरक्षणाय स्वयं शासनसूत्रं गृहीतुम् अभयादेवी केन उपदिष्टा ?

(1) राज्ञा
(2) मन्त्रिभि:
(3) स्वयम्
(4) वैदेशिकै:

97. सम्पत्तिकारणत: राजा विलासप्रिय: जात: इति वाक्ये सम्पत्तिकारणत: इति पदे प्रयुक्त: तद्धितप्रत्यय: कस्या: विभक्त्या: अर्थे अस्ति ?

(1) द्वितीया
(2) तृतीया
(3) चतुर्थी
(4) पञ्चमी

98. एलालवङ्गमरीचादीनाम् उत्पत्ति: कुत्र अधिका जायते स्म ?

(1) बङ्गदेशे
(2) उत्तरभारते
(3) उल्लालप्रान्ते
(4) उत्कलराज्ये

99. उल्लालराजस्य मद्यपानप्रवृत्ति: केषां कारणेन वर्धिता ?

(1) अभयादेव्या:
(2) पोर्तुगीसानाम्
(3) स्वराज्यजनानाम्
(4) आङ्गलजनानाम्

अधोलिखितान् श्लोकान् पठित्वा प्रश्नानां (100-105) विकल्पात्मकोत्तरेभ्य: उचिततमम् उत्तरं चिनुत ।

1. न देवो विद्यते काष्ठे
   न पाषाणे न मृण्मये ।
   भावे हि विद्यते देव:
   तस्माद्भावो हि कारणम् ।।

2. दातृत्वं प्रियवक्तृत्वं
   धीरत्वमुचितज्ञता ।
   अभ्यासेन न लभ्यन्ते
   चत्वार: सहजा गुणा: ।।

3. अर्थम् महान्तमासाद्य
   विद्यामैश्वर्यमेव वा ।
   विचरत्यसमुन्नद्धो
   य: स पंडित उच्यते ।।

4. जनिता चोपनेता च,
   यस्तु विद्याम् प्रयच्छति ।
   अन्नदाता भयत्राता,
   पञ्चैते पितर: स्मृता: ।।

5. सुपुत्रो य: पितुर्मातु:
   भूरिभक्तिसुधारसै: ।
   निर्वापयति सन्तापं
   शेषास्तु कृमिकीटका: ।।

6. दुर्जन: प्रियवादी च नैतद्विश्वासकारणम् ।
   मधु तिष्ठति जिह्वाग्रे हृदये तु हलाहलम् ।।

100. पञ्चपितृषु क: न गृह्यते ?

(1) अन्नदाता
(2) जन्मदाता
(3) गुरु:
(4) राज्यमन्त्री

CONFIDENTIAL CONFIDENTIAL CONFIDENTIAL

101. धीरत्वं कीदृशः गुणः ?

(1) अभ्यासलभ्यः

(2) साहजिकः

(3) आयाससाध्यः

(4) अलभ्यः

102. प्रभूतं धनं विद्याम् ऐश्वर्यं च प्राप्य पण्डितजनः कथं विचरति ?

(1) मूढः सन्

(2) अगर्वितः सन्

(3) उत्मत्तः सन्

(4) प्रहर्षितः सन्

103. भक्तिसुधारसैः इति पदे कविना कः अलङ्कारः प्रयुक्तः ?

(1) अनुप्रासः

(2) यमकः

(3) रूपकः

(4) अतिशयोक्तिः

104. 'मधु तिष्ठति जिह्वाग्रे हृदये तु हलाहलम्' इत्युक्त्या कविः वर्णनं करोति _____

(1) सत्यवादिनः मित्रस्य

(2) असत्यवादिनः सज्जनस्य

(3) प्रियवादिनः दुर्जनस्य

(4) अप्रियवादिनः दुर्जनस्य

105. उपरिलिखितश्लोकानुसारं देवस्य अस्तित्वे किं कारणम् ?

(1) काष्ठम्

(2) पाषाणम्

(3) मृत्तिका

(4) भावः

उचिततमं विकल्पं चित्वा अधोलिखितप्रश्नानाम् उत्तरं प्रदत्त ।

106. प्रत्येकं भाषायाः एकं स्वकीयं व्याकरणम् अस्ति तथा च प्रत्येकं भाषा अस्ति _____

(1) नियमबद्धा

(2) राज्येन अनुशासिताः

(3) केन्द्रेण अनुशासिताः

(4) लिपिबद्धा

107. त्रिभाषासूत्रानुसारं तृतीयभाषा अस्ति _____

(1) सम्पूर्णदेशे समाना ।

(2) संस्कृतम् एव ।

(3) हिन्दीहिन्दीतरभाषिणां राज्यानां कृते पृथक् पृथक् ।

(4) काचिदपि विदेशी भाषा एव ।

108. एका शिक्षिका "बेटी बचाओ बेटी पढाओ" इति सन्देशम् आधृत्य एकं विज्ञापनपत्रं कक्षायाम् आनीय भित्त्युपरि लेपयति । ध्यानेन निरीक्ष्य तदुपरि एकं परिच्छेदं लेखितुं सा छात्रान् निर्दिशति । अत्र भाषाशिक्षिकया प्रयुक्तं विज्ञापनपत्रम् अस्ति _____

(1) प्रामाणिकसामग्री (authentic material)

(2) अभिन्नसामग्री (integral material)

(3) आवश्यकसामग्री (valid material)

(4) अनावश्यकसामग्री (waste material)

109. धाराप्रवाहिता (fluency) अर्थात् _____

(1) दोषमुक्तं लेखनम् ।

(2) व्याकरणनियमानां स्पष्टं वर्णनं प्रयोगश्च ।

(3) शुद्धतया वाक्यानाम् उच्चारणम् ।

(4) सम्भाषणेन पठनेन लेखनेन च सानन्दम् अभिव्यक्ति: ।

110. पठनस्य ऊर्ध्वगामी उपागम: (Bottom up approach) इत्यस्य प्राधान्यक्रम: अस्ति _____

a. ध्वनौ (sound)

b. वर्णे (syllable)

c. वाक्ये (sentence)

d. शब्दे (word)

e. अक्षरे (letter)

(1) a, d, e, b, c

(2) a, b, c, d, e

(3) a, e, b, d, c

(4) b, c, a, e, d

111. भाषाया: अधिग्रहणस्य 'सामाजिकविनिमय:' (social interaction) इति सिद्धान्तम् अधिकृत्य अधोलिखितेषु का उक्ति: समीचीना ?

(1) भाषाविद्यार्थिनां बोधगम्यप्रविष्टिभि: (comprehensible input) सह सम्मेलनं भवेत् यासां काठिन्यस्तर: किञ्चित् अधिक: स्यात् ।

(2) यदा भाषाया: प्राधान्यम् आपाठ्यक्रमं भवति तदा भाषाया: अधिगम: शक्य: ।

(3) यदा विद्यार्थिनां कृते अनुकरणस्य पुनर्बलनस्य च अवसर: दीयते तदा भाषाया: अधिगम: भवति ।

(4) अन्यै: सह सार्थक-चर्चा-विनिमयस्य कृते भाषाशिक्षार्थिभ्य: आवश्यक: अवसर: प्राप्तव्य: ।

112. भविष्यानुमानम् (prediction) एकेन उपकौशलरूपेण सम्बद्धम् अस्ति _____

(1) प्रारूपनिर्माणेन (drafting)

(2) सारांशकरणेन (summarizing)

(3) टिप्पणीलेखनेन (note making)

(4) पठनेन (reading)

113. यदा सम्यक् नियुक्त्यवसराणां कृते छात्रा: भाषाधिगमं कुर्वन्ति तदा तेषां भाषाधिगमस्य प्रेरणा भवति _____

(1) आन्तरिकी

(2) बाह्यिकी

(3) कार्योन्मुखी (job centric)

(4) आत्मकेन्द्रिता (ego centric)

114. प्रभावकारिभाषाकक्षाया: सर्वाधिकं महत्त्वपूर्णं लक्षणम् अस्ति शिक्षार्थिनां कृते अवसरप्रदानम् _____

(1) मूल्याङ्कनं कर्तुम्

(2) अनुकरणं कर्तुम्

(3) वार्ताविनिमयं कर्तुम्

(4) दोषान् न्यूनीकर्तुम्

115. समावेशिकक्षाकक्षे भाषाशिक्षकः अध्यापनसमये ______

(1) दुर्बलच्छात्राणां साहाय्यं कर्तुं पतिभावतः छात्रान् निर्दिशेत् ।

(2) भिन्नायाः अधिगमशैल्याः उपयोगं कृत्वा तेषाम् अधिगमप्रक्रियायां सहयोगं कुर्यात् ।

(3) तैः सह व्यवहारं कर्तु विशिष्टशिक्षाविदं नियोक्तुं प्राचार्याय निवेदनं कुर्यात् ।

(4) विद्यालये तेषां षट् होराः शान्ततया समाप्ताः स्युः इति सुनिश्चितं कुर्यात् ।

116. भाषायां दक्षतायाः कृते अधस्तनेषु किं सर्वाधिकं महत्त्वपूर्णम् ?

(1) शुद्धोच्चारणेन सह पठनम्

(2) पाठ्यपुस्तके पाठस्यान्ते स्थितानाम् अभ्यासप्रश्नानां समाधानम्

(3) शुद्धतायाः धाराप्रवाहस्य च विकासः

(4) स्वल्पमूल्यानां विनामूल्यानां वा शिक्षणसामग्रीणाम् उपयोगः

117. एकः प्रभावकारी भाषाशिक्षकः

(1) अध्यापकस्य कथनसमयस्य वर्धनं करिष्यति ।

(2) विद्यार्थिनः कथनसमयस्य वर्धनं करिष्यति ।

(3) विद्यार्थिनः कथनसमयं न्यूनं करिष्यति ।

(4) सामूहिककार्यं युगलकार्यं च न्यूनं करिष्यति ।

118. अक्षरसमृद्धं वातावरणम् एकम् अभिन्नम् अङ्गम् अस्ति _____ तथा च _____ ।

(1) विद्यालयस्य, कक्षाशिक्षणस्य

(2) पठनस्य, स्वतः शिक्षणस्य

(3) साक्षरतायाः, भाषायाः शिक्षणस्य

(4) स्वस्य, समकक्षशिक्षणस्य

119. बहुभाषिकतावादः संसाधनरूपम् इत्युक्ते _____

(1) बह्वीनां भाषाणाम् अध्यापनम्

(2) बालस्य भाषायां प्रत्येकं शब्दस्य पर्यायिशब्दं दद्यात् ।

(3) अखिलपाठ्यक्रमे भाषायाः अध्यापनम् ।

(4) युक्तिरूपेण विद्यार्थिनाम् भाषाणाम् उपयोगः ।

120. अङ्कितः एकः दृष्टिहीनः छात्रः भवतः कक्षायाम् अस्ति । भवान् भाषाशिक्षकरूपेण किं कर्तुम् अर्हति ?

(1) अभ्यासार्थं कार्यपत्राणाम् वैविध्यम् उपरि ध्यानं दद्यात् ।

(2) भवतः अध्यापने चाक्षुषप्रस्तुतीनां वैविध्येन प्रयोगः स्यात् ।

(3) विविधानाम् इङ्गितानां शारीरिकक्रियाणां च बहुलतया उपयोगं करिष्यति ।

(4) स्वरशैलीनां योग्यविरामाणां च कृत्वा स्पष्टं भाषेत स्पृष्ट्वा अनुभव वस्तूनां च उपयोगं कुर्यात् ।

अभ्यर्थिनः **पञ्चमभागस्य** (Part-V) प्रश्नानाम् **(प्र.सं. 121-150)** उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा** (Language-II) रूपेण चितम् ।

Candidates should attempt the questions from **Part-V (Q.No.121-150)**, if they have opted **Sanskrit** as **Language-II** only.

भाग – V
भाषा – II
संस्कृत

अभ्यर्थिनः **पञ्चमभागस्य** (Part-V) प्रश्नानाम् (**प्र.सं.** 121-150) उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा** (Language-II) रूपेण चितम् ।

निर्देश: : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (121 – 128) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चिनुत –

कदाचित् कश्चन महात्मा प्रयाणावसरे पिपासाम् अनुभूतवान् । समीपे एव तेन एकः कुटीरः दृष्टः । सः कुटीरः कस्यचित् चर्म-कारस्य । महात्मा तम् उपसर्प्य अपृच्छत् – "आर्य ! किम् अत्र पानाय जलं लभ्येत ?" इति । महात्मानम् उपस्थितं दृष्ट्वा सः चर्मकारः नितरां सन्तुष्टः । सः उत्थाय अन्तः गत्वा जलम् आनीय महात्मने दातुम् उद्यतः । तावता तेन स्वस्य चर्मकारकुलत्वं स्मृतम् । अतः सः अग्रे प्रसारितं हस्तं पृष्ठतः कृतवान् । "किं महोदय ! किमर्थं जलदाने एवं सङ्कोचः ?" – सः महात्मा पृष्टवान् । तदा चर्मकारः अवदत् – "श्रीमन् ! अहम् अस्मि निम्नकुलीयः । मया भवते जलं यत् दीयेत तत् भवेत् पापाय" इति । "पापपुण्यादिविषये भवतः महती चिन्ता !" इति हसन् उक्तवान् सः महात्मा । ततः द्वित्राणि पदानि अग्रे निक्षिप्य सः चर्मकारस्य स्कन्धे हस्तं संस्थाप्य अवदत् – "महोदय ! इदानीं मया भवान् स्पृष्टः, न तु भवता अहम् । तस्मात् यदि पापं प्राप्येत तर्हि तत् तु मया प्राप्येत । अतः इदानीं जलदाने न कापि आपत्तिः । कृपया जलं दीयताम्" इति । चर्मकारः तस्मै जलं दत्तवान् । जलं पीत्वा सः महात्मा उक्तवान्– "भ्रातः ! भगवतः दृष्ट्या सर्वे समानाः । ये तारतम्यम् आचरेयुः ते तु अज्ञानिनः । स्पृश्यास्पृश्यभेदः मानवेन कल्पितः । तत्र श्रद्धा न करणीया । अहम् इदानीं बुभुक्षितः अस्मि अपि । यदि अद्य भवद्गृहे भोजनं प्राप्येत तर्हि वरं स्यात्" इति । "भवान् मम गृहे भोजनं कर्तुं सज्जः यत् तत् तु मम सौभाग्याय एव" इति सहर्षम् उक्त्वा पाकसज्जीकरणाय पत्नीं सूचयितुं सः चर्मकारः अन्तः गतवान् ।

121. किमर्थं जलदाने चर्मकारस्य सङ्कोचः आसीत् ?

(1) सः निम्नकुलीयः आसीत् इति मत्वा
(2) पापपुण्यादिविषये तस्य चिन्ता नासीत् इति
(3) जलम् अशुद्धं स्यात् इति
(4) महात्मनः जलस्य आवश्यकता नासीत् इति

122. हसता महत्मना किम् उक्तम् ?

(1) किम् अत्र पानाय जलम् लभ्येत ?
(2) किमर्थं जलदाने सङ्कोचः ?
(3) पापपुण्यादिविषये भवतः महती चिन्ता !
(4) इदानीं जलदाने न कापि आपत्तिः

123. महात्मनः उक्त्यनुसारम् _____

(1) स्पृश्यास्पृश्यभेदः ईश्वरेण निर्मितः । तत्र श्रद्धा करणीया ।
(2) स्पृश्यास्पृश्यभेदः मनुष्येण कल्पितः । तत्र श्रद्धा न करणीया ।
(3) स्पृश्यास्पृश्यभेदः न केनापि कल्पितः । अतः यथास्थिति पालनीयम् ।
(4) स्पृश्यास्पृश्यभेदः मनुष्येण कल्पितः । अतः श्रद्धा करणीया ।

124. 'स्पृश्यास्पृश्यभेदः मानवेन कल्पितः' इति वाक्यस्य वाच्यपरिवर्तनेन भवेत् _____

(1) स्पृश्यास्पृश्यभेदं मानवाः कल्पितवन्तः
(2) स्पृश्यास्पृश्यभेदं मानवः कल्पितवान्
(3) स्पृश्यास्पृश्यभेदेन मानवः कल्पितः
(4) स्पृश्यास्पृश्यभेदाय मानवा कल्पिताः

125. 'अत: स: अग्रे प्रसारितं हस्तं पृष्ठत: कृतवान्' इति वाक्ये विशेषणपदं किम ?

(1) अत:

(2) प्रसारितम्

(3) हस्तम्

(4) स:

126. "महोदय ! इदानीं मया भवान् स्पृष्ट:, न तु भवता अहम्" इति क: कस्मै उक्तवान् ?

(1) चर्मकार: महात्मने

(2) चर्मकार: स्वपत्न्यै

(3) महात्मा चर्मकाराय

(4) महात्मा चर्मकारपत्न्यै

127. चर्मकार: पाकसज्जीकरणाय पत्नीं सूचयितुं गमनसमये कीदृश: आसीत् ?

(1) आनन्दित:

(2) भ्रमित:

(3) दु:खित:

(4) उदासीन:

128. आर्य ! किमत्र पानाय जलं लभ्येत ? इति प्रश्न: केन पृष्ट ?

(1) चर्मकारेण

(2) महात्मना

(3) ग्राम्यजनै:

(4) चर्मकारकुलेन

निर्देश : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (129-135) विकल्पात्मकोत्तरेभ्य: उचिततमम् उत्तरं चिनुत –

भवन्ति बहव: भारतीया: अपि तादृशा:, ये भारतं सततं निन्दन्ति, भारते लब्धजन्मानं स्वमपि निन्दन्ति । अत: एव ते भारतं परित्यज्य अमेरिकादिदेशेषु स्थातुकामा: भवन्ति । एवं माननेन ते स्वं प्रगतं मन्यन्ते । इमे भारतीया: तुच्छा: मलिना: असभ्या: अप्रगता: कूपमण्डूकबुद्धय: च सन्ति इति अन्ये विदेशीया: मन्येरन् चेत् ते क्षन्तव्या: स्यु: । परं भारतीया: एव स्वदेशं निन्देयु: चेत् ते कथं क्षमार्हा: भवेयु: ?

अस्ति काचित् पोलण्डवास्तव्या करोलिनाख्या महिला । भारतीयेन अनुरागगोस्वामिना सा उदूढा । अत: अधुना सा स्वम् 'करोलिनागोस्वामी' इति परिचाययति । सा भारतम् अधिकृत्य इत्थम् अभिदधाति – "भारतस्य जनजीवनपद्धतिं वीक्ष्य अहं भारते अतीव स्निह्यामि । विश्वस्य सर्वासां समस्यानां समाधानं भारतात् प्राप्तुं शक्यते इत्यत्र अहं विश्वसिमि । एवं सत्यपि भारतं स्वं परिचाययितुं कथं न शक्तम् ? कथं न अन्ये देशा: भारते रुचिं वहन्ति ? मनागपि उपद्रवम् अकुर्वाणा: शान्ता: इमे भारतीया: सर्वस्मिन् अपि जगति शिक्षणे वाणिज्ये च कौशलेन व्याप्तिं गता: सन्ति चेदपि विदेशीयेषु भारतम् अधिकृत्य कथं विप्रतिपत्ति: अस्ति ?"

"अधुनाऽपि अहं यदा यदा युरोपादिदेशेषु प्रवासं करोमि तदा तदा ते भारते निवसन्तीं मां समुपलक्ष्य आश्चर्यं व्यञ्जयन्त: वदन्ति – "करोलिने ! इतोऽपि किं त्वं भारते निवससि ! मलिनै: असभ्यै: तै: भारतीयै: सह निवसन्ती त्वं मनागपि किं न उद्विग्ना ? अहो ते सहिष्णुता ! तत्र तव का सुरक्षा ? इतोऽपि त्वयि बालात्कार: किं न जात: ?"

इत्थं ब्रुवाणै: तै: विदेशीयै: कदापि भारतं दृष्टमेव न, केवलं ते युरोपीयलेखकै: लिखितं वृत्तपत्रादिषु प्रकाशितं च पठित्वा इत्थम् अभिप्रयन्ति । बहुधा ते एवं मन्यन्ते यत् भारते कापि सभ्यता संस्कृति: वा नास्ति एव, केवलं तत्र असभ्यजनानां साम्राज्यं वरीवर्तते इति । बाढम् उद्वेजिता अहम् एतस्य श्रवणात् ।

मया युरोपदेशा: दृष्टा: । अमेरिकादेशोऽपि दृष्ट: । भारतस्य वैशाल्यं वीक्ष्य अहम् आश्चर्यमग्ना अस्मि । युरोपस्य ये देशा: सन्ति पोलण्डादय: ते भारतस्य राज्य–तुल्यपरिमाणा: एव । अत: भारते वैविध्यमस्ति ।

मया प्रतिज्ञातम् अस्ति यत् भारतविषयिणीम् इमां विप्रतिपत्तिं निराकर्तुं जगते भारतस्य सम्यक् परिचय: देय: इति ।

129. करोलिना इति नामधेया महिला कस्मात् देशात् आगता ?

(1) चीनदेशात्

(2) होलण्डदेशात्

(3) पोलण्डदेशात्

(4) जापानदेशात्

130. अधोलिखितवाक्येषु किं व्याकरणदृष्ट्या उचितम् ?

(1) अहं भारतम् अतीव स्निह्यामि

(2) अहं भारते अतीव स्निह्यामि

(3) अहं भारताय अतीव स्निह्यामि

(4) अहं भारतात् अतीव स्निह्यामि

131. 'मनागपि उपद्रवम् अकुर्वाणा: शान्ता: इमे भारतीया:' इति वाक्ये 'मनागपि' इत्यस्य आशय: ______

(1) किञ्चिदपि

(2) बह्वपि

(3) किमपि न

(4) बहु किमपि

132. यूरोपदेशान् आमेरिकादेशं च दृष्ट्वा पुन: भारतस्य वैशाल्यं वीक्ष्य करोलिनाया: मनसि किम् उद्भूतम् ?

(1) आश्चर्यम्

(2) खेदम्

(3) हर्षम्

(4) नैराश्यम्

133. करोलिनाया: विवाह: केन सह अभवत् ?

(1) विवेकानन्देन सह

(2) अनुरागगोस्वामिना सह

(3) रामानुजेन सह

(4) चन्द्रस्वामिना सह

134. करोलिने ! इतोऽपि किं त्वं भारते निवससि ? इति के पृच्छन्ति करोलिनाम् ?

(1) यूरोपदेशीया:

(2) भारतदेशीया:

(3) करोलिनाया: पति:

(4) करोलिनाया: पिता

135. लब्धजन्मानम् इति समस्तपदस्य विग्रह: स्यात् –

(1) लब्धं जन्म येन स:, तम्

(2) लब्ध: जन्म: यस्य स:, तम्

(3) लब्धानां जन्म, तम्

(4) लब्धस्य जन्म, तम्

उचिततमं विकल्पं चित्वा अधोलिखितप्रश्नानाम् उत्तरं प्रदत्त ।

136. एकं पाठं समाप्य पाठे स्थितान् विभिन्नप्रकारकाणि विशेष्यपदानि अनुसन्धाय प्रदत्तमञ्जूषायां लेखितुं छात्रान् निर्दिशति । एतद् अस्ति उदाहरणम् ______

(1) व्याकरणनियमानां रटनस्य

(2) व्याकरणस्य अध्यापनस्य

(3) व्याकरणानुवादपद्धत्या:

(4) ससन्दर्भं व्याकरणम्

137. अधोलिखितेषु किम् एका अवचेतनप्रक्रिया अस्ति यस्य प्रयोग: बालै: भावसम्प्रेषणार्थं क्रियते ।

(1) भाषाधिगम: (Language learning)

(2) भाषाधिग्रहणम् (Language acquisition)

(3) द्वितीय भाषा (Second language)

(4) भाषिकक्षमता (Linguistic competence)

138. भवान् शिक्षकरूपेण कथं छात्राणां पठनविषयिणीं रुचिं वर्धयितुं शक्नोति ?

(1) तान् पाठ्यपुस्तकमात्रं पठितुं निर्दिश्य

(2) पाठानां सारांशानां कण्ठस्थीकरणं कारयित्वा

(3) रुच्युत्पादकानां वयोपयोगिबालसाहित्यानाम् उपयोगेन

(4) पाठस्य मातृभाषया अनुवादं कृत्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि अधिगन्तुं निर्दिश्य

139. छात्राणां भाषाधिगमस्य स्तरस्य आकलनं कर्तुं निम्नलिखितोपायेषु कः सहायकः भवेत् ?

(1) एकस्याः स्मृतिगतकवितायाः शारीरिकाभिनयेन सह उच्चारणम् ।

(2) तेषां मातृभाषया पाठस्य अनुवादः ।

(3) स्वतन्त्रतया तेषां विचाराणाम् आदानप्रदानस्य स्वकल्पनायाः अभिव्यक्तेः अवसरप्रदानम्

(4) कवितायाः काव्यशास्त्रीयतत्त्वानां छात्रैः शोधनम्

140. विषयस्य स्थितेश्च ज्ञानस्य आधारेण छात्रा श्रुतस्य परिच्छेदस्य विशिष्टम् अर्थम् अभिज्ञातुं शक्नुवन्ति । तथैव श्रुतानां वाक्यानां श्ब्दानां शब्दसमूहानां च सन्देशस्य घटकानाम् अर्थम् अभिजानन्ति । सन्देशस्य व्याख्यानस्य एवंविधः मार्गः अस्ति _____

(1) ऊर्ध्वगामि उपकौशलम् (Bottom up subskill)

(2) अधोगामि उपकौशलम् (Top down subskill)

(3) समग्र–भाषोपागमः (Whole language approach)

(4) मिश्रितोपागमः (Integrated approach)

141. छात्राणां भाषाविकासार्थं प्रतिपुष्टिकरणार्थं अधोलिखितमार्गेषु कः श्रेयस्करः ।

(1) छात्राणां त्रुटीनां झटिति एव शिक्षकेण संसूचनम्

(2) येषां छात्राणां भाषाव्यवहारः अत्यन्तं समस्यापूर्णः तेषाम् एव छात्राणां कृते प्रतिपुष्टिः करणीया ।

(3) शिक्षकः त्रुटीनां विश्लेषणं कृत्वा संशोधनस्य कृते योग्यां योजनाम् अवलम्बेत तथा च मातृभाषाणां व्यवधानकारणात् ये दोषाः दृश्यन्ते तेषां कृते औदासिन्यं पालयेत ।

(4) कक्षायां छात्राणां दोषाविष्करणेन तेषां मनः खिद्येत इति चिन्तयित्वा तेषां दोषाणां प्रति औदासीन्यं दर्शयेत् ।

142. पाठ्यपुस्तकात् बहिः गन्तव्यम् इति उक्तेः अर्थः _____

(1) पाठ्यपुस्तकस्तरात् किञ्चित् ऊर्ध्वस्तरे पाठनम् ।

(2) पाठ्यपुस्तकम् अतिरिच्य अन्यसंसाधनानाम् वितरणम्

(3) पाठ्यपुस्तकसमाप्तिः न अत्यन्तम् आवश्यकम्

(4) पाठ्यपुस्तकानां काठिन्य–स्तरः छात्राणां बोधस्तराद् बहिः भवति

143. भाषायाः एकस्य पाठस्य पाठनसमये शिक्षिका विज्ञानस्य सामाजिक–विज्ञानस्य च पाठस्य उपयोगं कृत्वा तं पाठं पठितुं छात्रान् निर्दिशति यतः इतरविषयस्य पाठस्य सम्बन्ध भाषा–विषयस्य पाठेन सह अस्ति । एवंविधः उपागमः कथ्यते _____

(1) आन्तरविषयकः (inter disciplinary)

(2) आपाठ्यक्रमं भाषा (language across curriculum)

(3) बहुभाषाशिक्षणम् (pluralistic language teaching)

(4) विषयः – भाषाशिक्षणम्

144. सम्भाषणकौशलम् उत्कृष्टतया वर्धयितुं शक्यते ____

(1) यदि छात्राणां कृते दुरूहजटिलपाठान् पठितुम् अवसर: दीयते ।

(2) यदि छात्रा: शिक्षकेण प्रस्तुतम् आदर्शम् उच्चारणं श्रुणुयुः ।

(3) प्रकृतजीवनपरिस्थितौ भावादानप्रदानं यदि छात्रै: क्रियते ।

(4) यदि छात्रा: सम्भाषणसमये त्रुटीनिवारणं कुर्युः ।

145. व्याकरणस्य अधिगमेन शिक्षार्थिनां लाभ: भवति _____

(1) साक्षरतायाम्

(2) शुद्धतायाम्

(3) धाराप्रवाहे

(4) शब्दज्ञाने

146. पार्श्वे स्थिताय सहपाठिने एकस्य वर्षादिनस्य स्वानुभवविषये वर्णनं कर्तुं शिक्षिका छात्रेभ्य: निर्दिशति । एवम्प्रकारक: अभ्यास: _____

(1) कक्षां कोलाहलमयं करिष्यति यदा ते वर्णनं करिष्यन्ति ।

(2) तेषां विचाराणां मौखिकाभिव्यक्तीकरणे विकासं करिष्यति ।

(3) कक्षायाम् अनुशासनहीनतां जनयिष्यति ।

(4) पाठ्यपुस्तकपठनस्य नीरसतां दूरीकरिष्यति ।

147. लेखनस्य प्रक्रियोपागम: (process approach) आवेष्टितानि करोति _____

a. सम्पादनम् (editing)

b. विचारविमर्शम् (brainstorming)

c. संशोधनम् (revising)

d. प्रारूपनिर्माणम् (drafting)

(1) a, b, c, d

(2) b, c, a, d

(3) a, d, c, b

(4) b, d, c, a

148. स्वस्य सर्वोत्कृष्टानि पञ्च वस्तूनि स्वपत्राधाने स्थापयन्तु अन्यानि च अपसारयन्तु इति एका भाषाध्यापिका छात्रान् निर्दिशति । अनन्तरं पञ्चानां वस्तूनां चयनविषये चिन्तनं कर्तुं तान् पृच्छति । एवंविधं चिन्तनम् अस्ति _____

(1) समकक्षाकलनम् (peer assessment)

(2) स्वयमाकलनम् (self assessment)

(3) अध्यापकेनाकलनम् (teacher's assessment)

(4) समेकितम् आकलनम् (summative assessment)

149. अधोलिखित–संसाधनेषु प्राथमिकस्तरे भाषाधिगमस्य कृते किं सर्वाधिकं महत्त्वपूर्णम् ?

(1) बालसाहित्यम् (Children Literature)

(2) वृत्तपत्रम् (Newspaper)

(3) सङ्गणकम् (Computer)

(4) कक्षापरिवेशवस्तूनि (Realia)

150. छात्राणां मौखिककौशलविकासार्थम् अधोलिखितेषु क: कार्यकलाप: सर्वन्यूनं महत्त्वम् आवहति ?

(1) एकस्य वस्तुन: वर्णनम्

(2) स्वशब्दै: कथाकथनम्

(3) शिक्षकम् अनु कथाया: पुनरुच्चारणम्

(4) एकस्य घटनाक्रमस्य वर्णनम्

अवधानपूर्वकम् एते निर्देशा : मनसि धारणीया :

1. विभिन्नप्रश्नानाम् उत्तरं कथं प्रदेयमिति प्रश्नपत्रे व्याख्यातम् अस्ति । प्रश्नानाम् उत्तरलेखनात् पूर्वं तत् अवश्यं पठनीयम् ।
2. प्रत्येकं प्रश्नार्थं चत्वारि वैकल्पिकोत्तराणि निर्दिष्टानि, तेषु समुचितोत्तरप्रदानार्थं OMR उत्तरपुस्तिकाया: पृष्ठे-2 केवलम् एकमेव वृत्तं पूर्णरूपेण काले/नीलवर्णिकया (Black/Blue)-बाल-पाइन्ट-लेखन्या प्रपूरणीयम् । एकवारम् उत्तरांकनानन्तरं न तत्परिवर्तयितुं शक्यते ।
3. परीक्षार्थिभि: उत्तरपत्रं नैव तिर्यक्करणीयम्, न च कथंकारमपि तद् अन्यथाप्रकारेण अङ्कनीयम् । परीक्षार्थी स्वीयानुक्रमाङ्कं उत्तरपत्रे निर्धारितस्थानातिरिक्तम् अन्यत्र कुत्रापि न लिखेत् ।
4. परीक्षापुस्तिकाया: उत्तरपत्रकस्य च प्रयोग: सावधानं करणीय: । कस्यामपि परिस्थितौ (केवलं तां परिस्थितिं विहाय यदा परीक्षापुस्तिकाया: उत्तरपत्रस्य च सङ्केतके सङ्ख्यायां वा भिन्नता दृश्यते) द्वितीय-परीक्षापुस्तिका नोपलभ्या एव ।
5. परीक्षापुस्तिकायाम् उत्तरपत्रे च प्रदत्त-सङ्केतक-सङ्ख्या परीक्षार्थिभि: उपस्थितिपत्रके सम्यक्रीत्या अवश्यमेव लेखनीया ।
6. ओ.एम.आर. (OMR) उत्तरपत्रिकायां कूटस्थ (Coded) सूचनानां पठनं यन्त्रद्वारा भविष्यति । अत: कापि सूचना असम्पूर्णा न स्यात् । तथैव प्रवेशपत्रस्यसूचनात: भिन्ना सूचना न प्रदेया ।
7. प्रवेशपत्रं विहाय अन्य-मुद्रित-लिखित-पाठ्यसामग्री कर्गदचिटिकां 'पेजरम्' इति चलदूरभाषां, विद्युत्-उपकरणानि अथवा कामपि अन्यसामग्रीं परीक्षाभवनं कक्षं वा नेतुम् अनुमति: न अस्ति ।
8. परीक्षा गृहे/प्रकोष्ठे मोबाइलयन्त्रं वेतारसूचनायन्त्रं (स्वीच अफ कृत्वा अपि) अन्यानि च प्रतिबन्धितवस्तूनि नैव आनेतव्यानि । एतस्य नियमस्य उल्लङ्घनम् अनुचितमार्गावलम्बनम् इति विधास्यते यस्य कृते दण्डस्य विधानम् अस्ति । परीक्षात: निष्कासनम् अपि भवितुम् अर्हति ।
9. निरीक्षणसमये परीक्षार्थिभि: प्रवेशपत्रं निरीक्षकाय अवश्यं दर्शनीयम् ।
10. अधीक्षकस्य निरीक्षकस्य वा अनुमतिं विना परीक्षार्थिभि : स्थानं न परित्यक्तव्यम् ।
11. कार्यरतनिरीक्षकाय उत्तरपत्रं दत्त्वा उपस्थितिपत्रके च हस्ताक्षरं पुन: कृत्वा एव परीक्षार्थिभि: परीक्षाभवनं कक्षं वा परित्यक्तव्यम् न अन्यथा । यदि केनापि परीक्षार्थिना उपस्थितिपत्रिकायां पुन: हस्ताक्षरं न क्रियते तर्हि 'परीक्षार्थिना उत्तरपत्रकं न दत्तम्' इति अभिप्राय: । इदम् अनुचितसाधनानां प्रयोगस्य रूपम् इति मन्तव्यम् ।
12. वैद्युत-हस्तचालित-परिकलकस्य उपयोग: सर्वथा वर्जित: ।
13. परीक्षाभवने कक्षे वा अनुकूलाचरणाय परीक्षार्थिन: सङ्घटनस्य सर्वै: नियमै: विनियमै: वा नियमिता: । अनुचितसाधनानाम् उपयोगेन सम्बद्धा: निर्णया: सङ्घटनस्य नियम-विनियम-अनुवर्तनीया: एव ।
14. कस्यामपि परिस्थितौ परीक्षापुस्तिकाया: उत्तरपत्रकस्य वा कोऽपि भाग: पृथक् न करणीय: ।
15. **परीक्षासम्पन्नानन्तरं परीक्षार्थिन: परीक्षाभवन-परित्यजनात् पूर्वं उत्तरपत्रं कक्षनिरीक्षकाय अवश्यमेव प्रदास्यन्ति । परीक्षार्थिन: इमाम् प्रश्नपुस्तिकां नेतुम् अनुमता: ।**

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ़ लें ।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह **काले/नीले बॉल पॉइन्ट पेन** से भरें । एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है ।
3. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ । परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें ।
4. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र के संकेत या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी ।
5. परीक्षा पुस्तिका / उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका संकेत व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से हाज़िरी-पत्र में लिखें ।
6. OMR उत्तर पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी । इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश-पत्र में दी गई सूचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए ।
7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज़ की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है ।
8. मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्वीच ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए । इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित ।
9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ ।
10. केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें ।
11. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर पत्र दिए बिना एवं हाज़िरी-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे । यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार हाज़िरी-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा । **परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अंगूठे का निशान हाज़िरी-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ ।**
12. इलेक्ट्रॉनिक / हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है ।
13. परीक्षा हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी बोर्ड के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं । अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला बोर्ड के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा ।
14. किसी हालत में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें ।
15. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी हॉल / कक्ष छोड़ने से पूर्व उत्तर पत्र कक्ष-निरीक्षक को अवश्य सौंप दें । परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं ।**

READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY:

1. The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.
2. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with **Black/Blue Ball Point Pen** on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
3. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
4. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
5. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet / Answer Sheet in the Attendance Sheet.
6. A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.
7. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the examination hall/ room.
8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the examination halls/ rooms. Failing to comply with this instruction, it will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against them including cancellation of examination.
9. Each candidate must show on demand his / her Admit Card to the Invigilator.
10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his / her seat.
11. The candidates should not leave the Examination Hall/ Room without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where a candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
12. Use of Electronic / Manual Calculator is prohibited.
13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Board with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Board.
14. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
15. **On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Hall / Room.** ***The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***